Tata Consulting Engineers Appointed Consultant for Super Critical Thermal Power Stations

Jaipur,16 June. Rajasthan Rajya Vidyut Utpadan Nigam appointed Tata Consulting Engineers (TCE),Banglore ,It's Consultant for designing and engineering of proposed Super Critical Thermal Power Stations at Chhabra (Baran)and Suratgarh (Sri GangaNagar).TCE will also be site supervisor for these Plants upto Commissioning.

Energy Minister,Dr.Jitendra Singh discussed at length with Sr. Consultant of TCE Shri Jami Satya Narayan on Tuesday about the road map prepared for installation of both the above Super Critical Thermal Power Stations.Dr. S.K.Calla,CMD, RVUN was also present during the discussion.

Energy Minister instructed the consultant that road map should be made in such a manner that generation from these plants be started in scheduled time.

At present,Tata Consulting engineers,Banglore is also consultant for Power Stations at Chhabra and Kalisindh (Jhalawar).of RVUN.

सुपर क्रिटिकल बिजलीघरों के लिए सलाहकार नियुक्त

टाटा कन्सल्टिंग इंजीनियर्स को काम सौंपा

जयपुर, 16 जून। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने बांरा जिले के छबड़ा और श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ सुपर ताप बिजलीघरों में स्थापित की जाने वाली सुपर क्रिटिकल इकाइयों की डिजाइनिंग और इजीनियरिंग के लिए टाटा कन्सल्टिंग इंजीनियर्स बंगलौर को सलाहकार नियुक्त किया है। टाटा कन्सल्टिंग इंजीनियर्स नई इकाईयों के चालू होने तक परियोजना की प्रगति पर निगरानी रखेगी।

ऊर्जा मंत्री डा. जितेन्द्रसिंह ने इस संबंध में मंगलवार को सलाहकार कंपनी के वरिष्ठ कन्सल्टेंट श्री जामी सत्यनारायण से विस्तार से बातचीत की और दोनों सुपर क्रिटिकल ताप बिजलीघरों की चारों इकाइयों की स्थापना के रोड़मैप पर चर्चा की। चर्चा के दौरान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डा. एस.के. कल्ला व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री ने सलाहकार कंपनी को निर्देश दिए कि प्रत्येक 660 मेगावाट क्षमता की चारों इकाइयों की स्थापना के काम को निर्धारित अवधि में पूरा करने का रोड़मैप तैयार किया जाए जिससे विद्युत उत्पादन समय पर प्रारंभ हो सके।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में तीन सुपर क्रिटिकल ताप बिजलीघर छबड़ा, सूरतगढ़ और बांसवाड़ा में लगाने की स्वीकृति दी है जिनमें प्रत्येक में 660–660 मेगावाट क्षमता की दो–दो इकाईयां लगाई जाएंगी। इतनी बड़ी क्षमता की विद्युत इकाईयां प्रदेश में पहली बार लगेंगी। प्रत्येक बिजलीघर की अनुमानित लागत 7920 करोड़ रूपये है। इनमे से राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम छबड़ा और सूरतगढ़ में सुपर क्रिटिकल इकाईयां लगाएगा और बांसवाड़ा में एक बिजलीघर निजी क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा।

टाटा कन्सल्टिंग इंजीनियर्स अभी राज्य में छबड़ा और कालीसिंध (झालावाड़) में स्थापित किए जा रहे ताप बिजलीघरों के लिए इंजीनियरिंग व डिजाइनिंग परामर्श दे रही है।